हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 7 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 35 .8 डिग्री
न्यूनतम 27 .6 डिग्री

11 लुवास की ओर से विशेष कार्यक्रमों का आयोजन

12 टीमों ने अस्पताल व मेडिकल स्टोर्स पर मारे छापे

खबर संक्षेप

हांसी। ग्राम विकास मंडल के सदस्यों के साथ पौधरोपण करती परी।

ग्राम विकास मंडल ने किया पौधरोपण

हांसी। ग्राम विकास मंडल मिलकपुर के साप्ताहिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को बाबा बलदेव मुनि मंदिर के पास व शहीद पार्क तथा बस स्टैंड के पास कोषाध्यक्ष स्वर्गीय ज्ञानचंद की स्मृति में समर्पित पार्क में खरपतवार हटाकर सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर की छात्रा परी ने स्कूल मैनेजमेंट की प्रेरणा और मार्गदर्शन से अपने 11वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में ग्राम विकास मंडल के सदस्यों के साथ मिलकर 11 पौधे लगाए। परी ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए यह प्रेरणादायक कदम उठाया।

मकान से गहने चुराने के दो आरोपी गिरफ्तार

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने गांव लांघड़ी स्थित एक मकान से आभूषण चोरी के मामले में दो आरोपियों गांव लांधड़ी निवासी कुणाल व मनोज उर्फ टोपी को गिरफ्तार किया है। शिकायत पर केस दर्ज करके जांच की गई तो सामने आया कि आरोपियों ने चोरी किए गए आभूषणों को गिरवी रखकर उनसे लोन प्राप्त किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कुणाल को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, जबकि आरोपी मनोज उर्फ टोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

बुलेट बाइक का साढ़े 10 हजार का किया चालान

हांसी। यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान सख्ती दिखाते हुए शेखपुरा चौकी पुलिस इंचार्ज ने एक बुलेट मोटरसाइकिल चालक का 10 हजार 500 रुपए का चालान किया। चौकी इंचार्ज ने बताया कि नियमित चेकिंग के कुंदनापुर रोड़ पर एक बुलेट मोटरसाइकिल चालक को कागजात जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि उसकी बाईक में मोडीफाइड सलेंसर लगा हुआ और उससे गोली चलने जैसी आवाज निकल रही थी। जिसपर यातायात नियमों के उल्लंघन के आधार पर बाइक का 10 हजार 500 रुपए का चालान किया।

रेल के नीचे आने से एक व्यक्ति की मौत

आदमपुर। आदमपुर भटू रेलवे स्टेशन के बीच रविवार सुबह सिरसा से दिल्ली जा रही किसान एक्सप्रेस के नीचे आने से लगभग 60 वर्षीय व्यक्ति मौत हो गई। आदमपुर रेलवे पुलिस चौकी इंचार्ज महेंद्र सिह ने बताया कि मृतक की पहचान भट्टू निवासी काशी के रूप मे हुई है। शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनो को सौप दिया गया।

जिला स्तरीय ताइक्वांडो टीम का किया चयन

हिसार। हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तावित 15 से 17 जुलाई को फरीदाबाद में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिता के लिए जिला की ताइक्वांडो टीम का चयन महावीर स्टेडियम के बॉक्सिंग हाल में किया गया। कार्यक्रम में ऑफिशियल अनीता कोच को नियुक्त किया गया वहीं प्रतियोगिता में ऑफिशल्स की भूमिका में सुरेश गिल, संदीप सिंगला, श्रवण, सचिन, आकाश को रेफरी की भूमिका में नियुक्त किया गया। इस चैनल प्रक्रिया में कुल 80 के करीब खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस अवसर पर खेल प्रेमी त्रिलोक शर्मा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन में कोच का कोर्स कर लौटी अनीता को सम्मानित किया।

खाद बीज विक्रेता की दुकान और खाद निर्माता फैक्ट्री पर छापेमारी

खाद में रबड़ के दाने मिलने की शिकायत पर सीएम फ्लाइंग ने की बड़ी कार्रवाई

- गांव बहबलपुर स्थित एक खाद बीज विक्रेता की दुकान से सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे
- किसान द्वारा वायरल वीडियो के बाद हरकत में आई टीम
- रिकॉर्ड और सैंपल की गहनता से जांच, कई खामियां मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना अपनी टीम के साथ एनपीके खाद मामले की जांच करते हुए।

एनपीके खाद में रबड़ जैसे पदार्थ मिलने की शिकायत पर सीएम फ्लाइंग की टीम ने रविवार को जिले के गांव बहबलपुर स्थित एक खाद बीज विक्रेता की दुकान तथा गांव पातन में स्थित एक खाद निर्माण फैक्ट्री पर छापा मारा। इस दौरान टीम ने रिकॉर्ड की गहनता से जांच की और सैंपल भी लिए।

कार्रवाई के दौरान खाद के बैग पर न तो बैच नंबर था और न ही निर्माण तिथि अंकित थी, जिससे खाद की प्रमाणिकता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। कार्रवाई का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने किया। उनके साथ कृषि विभाग के फर्टिलाइज़र निरीक्षक महिपाल, एसआई जितेंद्र, एएसआई सुरेंद्र कुमार और कृषि विभाग के अन्य अधिकारी, साथ ही पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही।

वीडियो वायरल करने के बाद हुई कार्रवाई

सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने बताया कि गांव धिकताना निवासी किसान कुलदीप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उसने दिखाया कि एनपीके खाद में रबड़ के दाने और लकड़ी जैसे टुकड़े मिले हैं। किसान के अनुसार, उसने यह खाद गांव बहबलपुर स्थित 'उत्तम खाद बीज भंडार' से मंदीप नामक विक्रेता से खरीदी थी। जब वह ट्रैक्टर चालक प्रवीण के साथ खेत में खाद की बुआई कर रहा था तो उसमें मिलावट देखी गई। कुलदीप ने खाद के खाली बैग भी टीम को सौंपे।

विक्रेता के रिकॉर्ड में मिली गड़बड़ी

सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने बताया कि टीम द्वारा विक्रेता मंदीप से पूछताछ की गई। उसने बताया कि उसने कुल 100 बैग एनपीके खाद गांव पातन स्थित 'भारत एनपीके' फैक्ट्री से मंगवाए थे, जिनमें से सभी बेच दिए गए लेकिन जांच में वह केवल 33 बैगों की बिक्री का रिकॉर्ड ही प्रस्तुत कर सका, शेष 67 बैगों का कोई हिसाब-किताब नहीं मिला। दुकान में भी कोई स्टॉक मौजूद नहीं था।

सैंपल भरकर जांच के लिए भेजे

सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने बताया कि खाद के बैगों पर न बैच नंबर और न मैन्युफैक्चरिंग डेट अंकित है, जो कि खाद नियंत्रण आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन है। टीम ने मौके से कई तरह के सैंपल भरकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि दुकानदार मनदीप व फैक्ट्री मालिक को नोटिस जारी किए जाएंगे।

सरकार मिलावट रहित खाद देने के लिए प्रतिबद्ध

सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों को गुणवत्तापूर्ण और प्रमाणिक खाद-बीज उपलब्ध कराना है। यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता या मिलावट पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्ति या संस्थान के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्राइवेट लिमिटेड' फैक्ट्री के गोदाम पर पहुंची। वहां भी एनपीके खाद का कोई स्टॉक नहीं मिला।

जब मौजूद कर्मचारियों से स्टॉक रजिस्टर और अन्य दस्तावेज मांगे गए, तो वे कोई वैध रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सके।

फैक्ट्री में भी नहीं मिला खाद का स्टॉक, रिकॉर्ड पेश करने में नाकाम

सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने बताया कि इसके बाद टीम गांव पातन स्थित 'भारत क्रॉप प्रोडक्शन

हिसार। ठेका हटवाने की मांग पर धरने पर बैठे विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि।

मार्केट से ठेका हटवाने की मांग, धरना जारी

- सावित्री जिंदल ने दुकानदारों को आश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

महाराजा अग्रसेन मार्किट में शराब ठेका को शिफ्ट करवाने के लिए दुकानदारों द्वारा दिए जा रहा धरना लगातार जारी है।

रविवार को धरना को जिंदल हाउस के नजदीकी वार्ड पार्षद संजय डालमिया, वार्ड नंबर 12 से पार्षद जगमोहन मित्तल, एमसी व डीसी मार्किट के प्रधान राजू तंवर, अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के सदस्य दिनेश बिश्नोई, अग्रवाल वैश्य महासम्मेलन के महामंत्री नरेंद्र गुप्ता व अन्य सहयोगियों का ने समर्थन दिया। ये सभी दुकानदारों के साथ धरना पर बैठे। इस अवसर पर पार्षद संजय डालमिया ने कहा कि अग्रवाल समाज के पूज्य महाराजा अग्रसेन के पूजा स्थल के इतना पास इस ठेका का खुलना अग्रवाल समाज कतई बर्दाश्त नही करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी विधायक सावित्री जिंदल ने मार्किट के दुकानदारों को इस बात का आश्वासन दिया है कि वो स्वयं मुख्यमंत्री से मिलकर इस ठेका को दूसरी जगह शिफ्ट करवाएगी। इस ठेका को यहां से दूसरी जगह जाना ही होगा। अग्रसेन मार्किट की दुकानों में बिक्री के समय ये शर्त भी है कि इन दुकानों में जवनशील पदार्थों एवं नशीले पदार्थों का संग्रहण नहीं किया जा सकता। वार्ड नंबर 12 के पार्षद जगमोहन मित्तल ने कहा कि जब जिंदल हाउस में ठेकेदारों व दुकानदारों के शिष्टमंडल के बीच समझौता हुआ तो वे वहीं मौजूद थे।

45 लाख की धोखाधड़ी का तीसरा आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

- भैंस खरीद मामले में की थी धोखाधड़ी
- आरोपी ने व्यापारी बनकर दोस्तों संग की थी वारदात

सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने भैंस खरीद कर 45 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने में संलिप्त तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जींद जिले के गांव दिनोदा निवासी राजकुमार उर्फ राजा के रूप में हुई है। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस में तैनात सब इंस्पेक्टर कपिल ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर कुछ दिनों पहले भैंसों का व्यापारी बनकर गुराना निवासी भुपेन्द्र से करीब 45 लाख रुपए की 44 भैंसें जल्द रुपए देने का आश्वासन देकर खरीद ली और उसके बाद रुपए देने से मना कर दिया था। गुराना निवासी भुपेंद्र की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

रिमांड के दौरान आरोपी से से पूछताछ की जाएगी। सीआईए पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है जब कि दूसरा आरोपी मध्यप्रदेश के सिरोह निवासी भोला खान 6 दिन के पुलिस रिमांड पर हैं।

'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने बस स्टैंड की बदरंग दीवारों को टेराकोटा पेंट से निखारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ग्रीष्म ऋतु की एक सुबह। सूरज ने आज कुछ ज़्यादा ही जल्दी अपनी तेज़ किरणों से धरती को तपाना शुरू कर दिया है। बढ़ती उमस और तेज़ धूप भी "हमारा प्यार हिसार" के जज़्बे को नहीं रोक सकी।

इस बार लक्ष्य था बस स्टैंड की एक लम्बी और फीकी पड़ चुकी दीवार। टीम के सभी सदस्य पूरी तैयारी के साथ समय पर पहुंचे। किसी ने दीवार की सफाई की जिम्मेदारी संभाली, तो कोई पेंट तैयार करने में जुटा। टेराकोटा रंग की बौछार, ब्रश की थापें और आपसी तालमेल—हर कार्य एक सुंदर समरसता में बह रहा था। कई टीम के काम की सराहना कर रहे थे, तो कुछ मोबाइल में इन यादों को कैद कर रहे थे। लावट एजुकेशन के कुछ सदस्यों ने भी हमारा प्यार हिसार की टीम का भरपूर साथ दिया। कुछ ही घंटों में आज का अभियान पूरा हुआ। अभियान में हरीश भाटिया, जितेन्द्र बंसल, दिनेश बंसल, मनीष गोयल, सुरेंद्र पानू, युद्धबीर सिंह पानू, आदि शामिल रहे।

हिसार। हमारा प्यार हिसार के पेंटिंग अभियान में भाग लेता नन्हा बच्चा विराज सिंधु।

एटीएम कार्ड चोरी कर 1.70 लाख की ठगी करने का आरोपी किया गिरफ्तार

- आरोपी से 1.68 लाख की रकम बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

पुलिस ने एटीएम कार्ड चोरी कर बैंक खाते से 1.70 लाख की धोखाधड़ी करने के मामले में वार्ड नंबर 12 निवासी रणवीर सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.68 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं।

जांच अधिकारी एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि आश्रम कॉलोनी निवासी महिला कमलेश ने शिकायत दी थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका एटीएम कार्ड चुराकर यूको बैंक बरवाला शाखा स्थित खाते से 1.70 लाख की राशि निकाल ली है। पीड़िता को 4 जुलाई को मोबाइल पर बैंक ट्रांजेक्शन का संदेश प्राप्त होने पर हुई।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी रणवीर सिंह की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने 1 से 4 जुलाई के बीच कई ट्रांजेक्शन कर कुल 1.70 लाख निकाले थे। पुलिस ने आरोपी से 1.68 लाख नकद बरामद कर लिए हैं। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नवीन पूनिया बने महिला हैंडबॉल टीम के कोच

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, सीएम नायब सैनी समेत नेताओं ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिले के लाडवा गांव निवासी नवीन पूनिया को 17 से 27 जुलाई तक चीन में होने वाली 11वीं महिला यूथ एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय महिला हैंडबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनकी इस उपलब्धि पर लाडवा सहित पूरे जिले और प्रदेश में खुशी की लहर है।

नवीन पूनिया भारतीय हैंडबॉल टीम के पूर्व कप्तान रह चुके हैं और वर्तमान में भारतीय सेना (जेसीओ) हैंडबॉल कोटे से कार्यरत हैं। वे अपने खेल जीवन में कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। खेल के साथ-साथ नवीन पूनिया हरियाणवी संगीत जगत में भी अपनी अलग पहचान रखते हैं। वे कई लोकप्रिय हरियाणवी गीतों में अपनी आवाज़ दे चुके हैं, जिससे युवा वर्ग में खासा लोकप्रिय हैं। नवीन पूनिया की इस नई जिम्मेदारी पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री नायब सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला सहित कई मंत्रियों, विधायकों और खेल हस्तियों ने सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से बधाई दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवीन पूनिया का लंबा खेल अनुभव और नेतृत्व क्षमता भारतीय महिला हैंडबॉल टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगी। आगामी एशियन यूथ गेम्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनकी कोचिंग का असर देखने को मिलेगा। अपने चयन पर नवीन पूनियाा ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं पूरी मेहनत से टीम को तैयार करूंगा और देश का नाम रोशन करने की पूरी कोशिश रहेगी। नवीन के पिता रामकुमार ने कहा कि मुझे खुशी है नवीन को इस टीम का कोच बनाया गया हैं।

नवीन पूनिया।

मिर्चपुर के पास शराब तस्करों की गाड़ी टकराई, तस्कर फरार, 120 बोतल देसी शराब बरामद, मामला दर्ज

नारनौंद। पुलिस ने गांव मिर्चपुर के पास गाड़ी से शराब बरामद की है। बताया जा रहा है कि एक सूचना के आधार पर पुलिस ने शराब तस्करों की गाड़ी का पीछा किया तो गाड़ी गांव के स्वागत द्वार से टकरा गई। गाड़ी को वहीं छोड़कर दोनों शराब तस्कर मौके से भागने में कामयाब रहे। पुलिस को सूचना मिली कि गांव राखी गढ़ी की तरफ से दो युवक एक गाड़ी में अवैध शराब लेकर सप्लाई करने जा रहे हैं। पुलिस ने तुरंत प्रभाव से कोथ खुर्द सड़क मार्ग पर नाकेबंदी करके गाड़ियों की तलाशी करनी शुरू कर दी। कुछ देर बाद पुलिस को सूचना मिली कि शराब से भरी गाड़ी खेड़ी चोपटा की तरफ जा रही है। पुलिस ने गाड़ी का पीछा किया तो शराब तस्करों ने पुलिस की गाड़ी देखकर गाड़ी को और तेज भगा लिया और उनकी गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया। गांव मिर्चपुर के पास स्वागत द्वार से गाड़ी टकरा गई जिसके कारण गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

ऐतिहासिक होगी राष्ट्रव्यापी हड़ताल, तैयारियां जोरों पर : सकसं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 9 जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर सर्व कर्मचारी संघ के नेताओं का बैठकों का दौर जारी है। सकसं नेताओं ने दावा किया है कि यह राष्ट्रव्यापी हड़ताल ऐतिहासिक होगी।

जिला वरिष्ठ उपप्रधान नरेश गौतम, जिला सह सचिव अशोक सैनी व जिला सचिव राजेश बागड़ी ने संयुक्त बयान में कहा कि सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों द्वारा ब्लॉक स्तर पर संपर्क अभियान चलाते हुए सरकारी विभागों में कार्यरत एक एक कर्मचारी से संपर्क करते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार की कर्मचारी एवं जनविरोधी नीतियों पर चर्चा जारी है। उन्होंने बताया कि संपर्क अभियान के दौरान कर्मचारियों में सरकार नीतियों के प्रति जबरदस्त रोष महसूस किया जा रहा है। प्रदेश में सरकारी विभागों में विभिन्न प्रकार के कच्चे कर्मचारी लंबे समय से कार्यरत हैं और नियमित होने की राह देख रहे हैं। विभागों में लगातार सेवानिवृति के चलते हजारों पद खाली पड़े हैं। जनसंख्या के आधार पर सरकारी संस्थानों का विस्तार किया जाए।

हिसार। सकर्मचारियों को सरकार की नीतियों से अवगत करवाते सर्व कर्मचारी संघ पदाधिकारी।

प्रतियोगिता का आयोजन देहरादून की महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में किया जाएगा

जूनियर राष्ट्रीय रग्बी 7एस प्रतियोगिता के लिए लड़कियों की हरियाणा टीम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

10वीं जूनियर राष्ट्रीय रग्बी 7 एस प्रतियोगिता का आयोजन देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में 14 जुलाई तक किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए हरियाणा की लड़कों एवं लड़कियों की टीमों का चयन शहर के जिंदल पार्क में आयोजित की गई 10वीं हरियाणा राज्य अंतर जिला जूनियर रग्बी सेवन प्रतियोगिता के आयोजन दौरान किया गया। टीमों के प्रशिक्षण शिविर नरेंद्र मोर की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए फैसले के अनुरूप लड़कियों का बीबीपुर गांव और लड़कों का शहीद भगत सिंह अकादमी चरखी दादरी में लगाया गया है। बीबीपुर में प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन टीम की घोषणा की गई। प्रशिक्षण शिविर में पहुंच कर राष्ट्रीय सनातन सेना भारत की महिला प्रदेश अध्यक्ष एवं पानीपत रग्बी की कोषाध्यक्ष बबीता सिंह ने चयनित खिलाड़ियों, कोच एवं मैनेजर को किट वितरित की। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं सोनीपत रग्बी संघ के सचिव नरेंद्र मोर, जींद रग्बी संघ के सचिव मुनीत बेरवाल, पानीपत रग्बी संघ के सचिव अजय मलिक, हिसार रग्बी संघ के सचिव राजू कनोह, पानीपत रग्बी संघ के अध्यक्ष अमन मलिक, कृष्ण सिंगरोह, राजेंद्र पी. टी. आई., जींद रग्बी संघ के कोषाध्यक्ष सुशील ढांडा, हरियाणा एथलैटिक्स के कोषाध्यक्ष जसवंत सिंह, अमित मलिक ने टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

हिसार: लड़कियों की हरियाणा टीम की सदस्य नरेंद्र मोर व अन्यों के साथ।

इनका किया चयन

टीम में मीनाक्षी(उप कप्तान), अंजली, कुसुम, रितिका (जींद), किरण (कप्तान), ज्योति (फतेहाबाद), निधि (चरखी दादरी), काफी (हिसार) संध्या, मीतू (उप कप्तान), स्नेहा, दीक्षा (पानीपत) का चयन किया गया है। सब्सिट्यूट खिलाड़ियों में फतेहाबाद की निशा, पानीपत की निशा एवं हिसार से अमरजीत को रखा गया है। टीम की कोच हिसार से ज्योति होंगी और मैनेजर जींद से मुनीत कुमार बेरवाल एवं गुरुग्राम से भामिनी पांडेय को नियुक्त किया गया है।

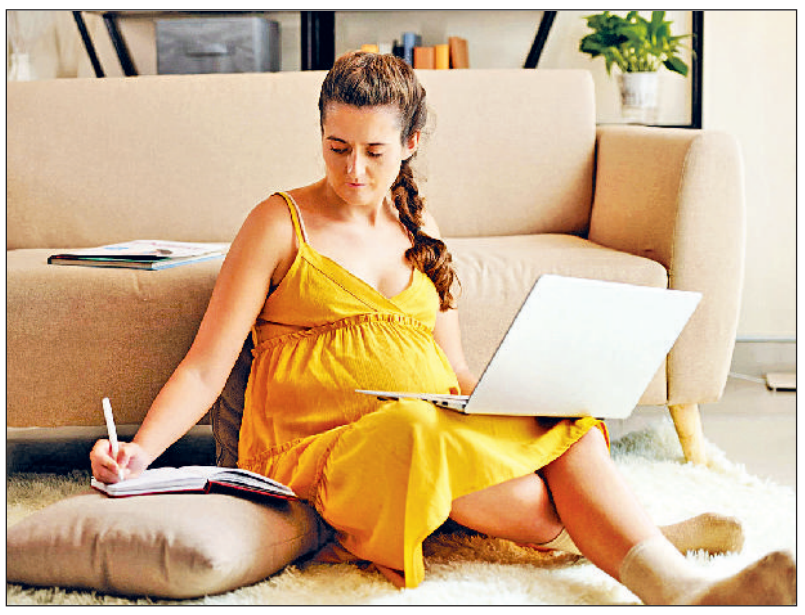

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी।

अब आगे...

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है।

अ दीप्ति ससुराल जाती ट्रेन में बैठी हज़ारों बातें सोचती है, मेरा भी उतना ही अधिकार है पापा की संपत्ति पर, जितना दोनों भाइयों का है लेकिन अम्मा दो-पांच हज़ार की विदाई देते कैसा मुँह बनाती हैं ! भाभियों की कौन कहे, वे पराए घर से आई हैं, जब जन्म देने वाली माँ ही पराया मानती है।"

सोचती जाती है और आँसू बहते जाते हैं। पति ने टोका, "ट्रेन में मत रोओ। सब देख रहे हैं। अच्छा, बताओ, विदाई कितने की मिली है ?"

शादी को एक साल हो चला। इस बीच एक बड़ा झगड़ा हुआ। सास वेणी एक शादी-समारोह में गई थी जहाँ बहू की बड़ी भाभी सुरेखा से भेंट हो गई। बातों-बातों में वेणी बोली,

"कानों में तो बड़े सुंदर झाले पहने हैं सुरेखा तुमने! पुराना सोना जान पड़ता है।"

"हाँ ! ये मेरी मम्मी ने दिए थे।"

"बहुओं से भर-भर के दहेज लिया और बेटी को देते अंटी न खुली !"

"ऐसा क्यों कहती हैं आंटी जी ? क्या कमी रखी है हमने? क्या नहीं दिया जो अब तक माँगती हैं ?"

सुरेखा की बात सुन वेणी तिलमिला उठी।

"हम ही क्यों बनवाएं उसके लिए जब मायके वाले इतना भी न दे सके ? अपनी बेटियों को मैंने दो-दो जोड़ी बुँदे, झुमकियाँ बनवा कर दी थीं !"

"क्या बात करती हैं? तोला भर सोने की झुमकियाँ बनवा कर दी थीं हमने विदाई में। दीप्ति दीदी ने बताया नहीं आपको ?"

"तोले भर सोने की झुमकियाँ ?"

सास के गुस्से का कोई पारा न रहा। घर आकर इतनी ऊँची आवाज में कलह किया कि पड़ोसी अपने-अपने फ्लैट्स के दरवाज़े खोलकर बाहर आ गए। ससुर रोकते जाते थे, बेटा रोकता जाता था लेकिन सास की आवाज़ आसमान तक बुलन्ध थी। लेकिन बहू एक चुप, हजार चुप !

'योगेश, अब या तो तेरी बहू उन तोले भर सोने की झुमकियों का हिसाब दे या निकल जाए इस घर से !"

"बताती क्यों नहीं, कहाँ हैं झुमकियाँ?" जब पति ही मारने को आगे बढ़ा तो दीप्ति ने मरी-मरी सी आवाज में कहा,

"खो गईं।"

"खो गईं ? तोले भर सोने की झुमकियाँ खो गईं? कैसे खो गईं ? क्या अपने पापा को दे आईं?"

योगेश मारता उसे अगर बीच में ससुर न आ गए होते। सास का गुस्सा महीनों शांत न हुआ। ननदें फोन करतीं तो वो बहू को सुना-सुना कर हज़ार बातें सुना देती उसके मायके वालों को।

दीप्ति से खूब काम लिया जाता। घर के कामों से फारिग होती तो बाहर के कामों की सूची तैयार रहती। जब से शादी हुई, घर में योगेश ने इधर की सींक उठाकर उधर न रखी थी। दीप्ति ही बाजार, सौदा-सुलफ सब करती। कभी पलंबर को बुलाती, कभी कबाड़ी को रद्दी तुलाती।

लेकिन इस सब के बीच, उसके मन में पढ़ाई की लगन लगी रहती। सास वेणी देखती और कुढ़ती। एक रात सास की नींद खुली तो देखा ड्राइंग रूम की बत्ती जल रही है। रात के ग्यारह बजे थे। बहू हॉल में दीवान पर बैठी कुछ लिख रही थी।

"अरे ! अब तक जागती हो ? सवेरे फिर योगेश का टिफिन बनाने में आलस करोगी। जाओ सो जाओ।"

"नहीं। मैं बना दूँगी सब समय पर।"

"लाइट बंद करो और जाओ। इधर की बत्ती जलती है तो मुझे अपने कमरे में नींद नहीं आती।"

"लेकिन, मैं तो हमेशा यहीं पढ़ती हूँ; अभी तक तो आपने कभी नहीं कहा ऐसा !"

"तो अब कह रही हूँ, ये बत्ती न जलाया करो।"

"तो रात को मैं कहाँ पढ़ूँ ? कमरे में टेबल लैम्प से भी इनकी नींद में खलल पड़ता है।"

बहू अपने आप से कहती चली गई और रसोई में बत्ती जलाकर फिर लिखने लगी। उस दिन से दीप्ति ने हॉल या रसोई में पढ़ना बंद कर दिया। फ्लैट में हॉल के अलावा दो ही तो कमरे थे। अब कहाँ पढ़े ? वो रात को बाथरूम में बैठकर नोट्स बनाती; और दिन में किताब खोले घर के कामकाज के बीच कुछ-कुछ याद करती रहती। कभी कलाई पर, कभी हथेली पर, कुछ उतार लेती और मन में दोहराया करती। बी.एड. के साथ-ही-साथ वो शिक्षक पात्रता परीक्षा की भी तैयारी कर रही है। सोचती, बी.एड. कर लेगी और अगले ही साल शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर लेगी तो सरकारी शिक्षक की नौकरी करने के योग्य हो जाएगी। छह महीने बाद, तीसरे सेमिस्टर की परीक्षा का रिजल्ट आया जिसमें दीप्ति ने अपने कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गर्भवती हो गई थी तो भी स्कूटी चलाकर कॉलेज जाती रहती। गर्भावस्था के पूरे दिन चल रहे हैं; और बी.एड. अंतिम वर्ष के फाइनल सेमिस्टर की परीक्षाएं भी। हर दिन मनाती है, बस परीक्षा पूरी हो जाए तब डिलीवरी हो ! लेकिन ...जो भाग्य बदलने निकलते हैं, उन्हें सबसे पहले अपनेआप से लड़ना पड़ता है !

रात से हल्का-हल्का दर्द हो रहा था लेकिन वो सब कामकाज करती रही और साथ में किताब भी खोले रही। कल तीन बजे उसका आखिरी पर्चा है। लेकिन सुबह होते-न-होते दर्द की लहर काबू से बाहर हो गई। सास के साथ ऑटो से वो सरकारी अस्पताल पहुंची और आधे ही घंटे में उसकी डिलीवरी हो गई।

आगे एक घंटा तो दिमाग कुछ न जानता था। तंद्रा-सी थी। बस अपनी बेटी को सीने से चिपटाए आँखें बंद किए पड़ी रही। घंटे भर बाद, उसकी आँखें आधी खुलीं। सामने दीवार घड़ी दोपहर के बारह बजा रही है।

"मेरा पेपर है तीन बजे !"

"अब काये का पेपर ? अब इस लड़की को सम्हालो ! मैं घर जा रही हूँ; गुड़ बनाकर लाती हूँ। घर का खाना भी बनाना है। रात तक आ जाऊँगी या योगेश आ जाएगा सोने यहाँ। कल अपने मायके से बुला लो किसी को। अकेले मुझसे नहीं करते बनेगा सब।"और सास फोन लगाती हुई बाहर निकल गई।

"हाँ चंचल ! तुम बुआ बन गयीं! और क्या होना था! मैं तो पहले ही कहती थी, लड़की ही जनेगी!"

जाती हुई सास की बात दीप्ति के कानों में पड़ती है। वो सुनी-अनसुनी कर देती है। पति योगेश को किसी ने बताया है अथवा नहीं, दीप्ति को नहीं पता। उसने बेटी को निहारा, फिर घड़ी देखी।

-परीक्षा देनी है !

प्रसूता पुकारती है, "कोई है?"

कोई नहीं सुनता। उसने फिर अपनी ताकत जुटाकर पुकारा है, "कोई मदद कर दो !"

भाग्य द्वार तक आया, लेकिन भीतर नहीं। एक नर्स झाँककर पूछती है, "क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई नहीं? क्या कुछ खाने को चाहिए?"

"मेरा बी.एड. का पेपर है तीन बजे से। क्या गाड़ी मिल जायेगी एग्जाम सेंटर तक जाने के लिए ?"

नर्स अवाक उसे देखती रह गई। हज़ारों जचगी इस अस्पताल में देखीं-करवाईं, ऐसी जनानी नहीं देखी !

वो निवेदन दोहराती है; नर्स क्या कहे !

"मैडम से पूछकर बताती हूँ।"

और नर्स डॉक्टर के सामने है।

"बिल्कुल नहीं! अभी घंटे भर पहले ही डिलेवरी हुई है। अब 24 घंटे तो बिस्तर से उठने की अनुमति नहीं दे सकते !"

नई डॉक्टर अपने कागज़ों में उलझी, उत्तर देकर इस बात को भूल जाती लेकिन ... कोई है जो लड़ रहा है भाग्य से ! ... भाग्य विधाता से !

"मैडम जी प्लीज !" सामने एक अधमरी-सी आवाज़ है।

डॉक्टर नज़र उठाकर देखती है।

"मेरा पेपर है बी.एड. का। फिर नहीं कर पाऊँगी। न फिर फीस भर पाऊँगी। प्लीज मुझे एग्जाम सेंटर तक पहुँचा दीजिए।"

दरवाज़े से टिकी सद्य प्रसूता अपनी नवजात को लिए किसी तरह खड़ी है। या तो वो खुद ही गिर जाने वाली है या उसकी गोद से नवजात खिसकी जाती है।

उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टर चिल्लाती है, "तुम पागल हो क्या!"

जच्चा-बच्चा को वापस बेड तक पहुँचाया गया। बड़े डॉक्टर साहब से बात की गई। गाड़ी तो अस्पताल में कोई मौजूद थी नहीं। एक गाड़ी बाहर गई हुई है। समय रहते लौट आई तो कुछ हो सकता है। नई डॉक्टर मदद के लिए दूसरे अस्पताल फोन लगा रही है। गाड़ी की व्यवस्था होते-होते दो घंटे निकल गए। अस्पताल से एग्जाम सेंटर 35 किलोमीटर दूर है। गाड़ी में जच्चा-बच्चा को लिटाया गया और नर्स क्योंकि वैसे ही स्टाफ में कम हैं, वर्क लोड बहुत ज़्यादा। एक सफाईकर्मी दीदी को साथ कर दिया गया। वे चलीं तो नई डॉक्टर पीछे से देखती, अपने मित्र ट्रेनी डॉक्टर को फोन करती कहती है, "अभी पता है क्या हुआ ?"

... किसी की मदद कर, वो इस पल अपनी ही नज़रों में हीरो है !

एग्जाम सेंटर तक वे पहुँची हैं और सहायिका दीदी को नवजात दे, किसी तरह दीप्ति एग्जाम सेंटर के अंदर तक पहुँचती है। परीक्षा चालू हो चुकी है। सैकड़ों परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। उसे देख चलते पेन रुक-रुक जा रहे हैं।

"सर! मैडम ! मेरे पास प्रवेश पत्र नहीं है लेकिन मुझे अपना रोल नंबर याद है। और आप तो मेरे पिछले पेपर में भी ड्यूटी पर थीं। प्लीज मुझे पेपर देने दीजिए। क्या मैं बहुत लेट हो गई हूँ ?"

वो पन्द्रह मिनट लेट हो चुकी है लेकिन उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया गया। उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र दिया गया। वो खड़े-खड़े ही किसी तरह उत्तर पुस्तिका पर लिखना शुरू करती है।

"बैठ कर लिख लो।" परीक्षक मैडम उससे कहती हैं।

"बैठ नहीं पाऊँगी। चार घंटे पहले डिलीवरी हुई है।"

"तो क्यों आईं परीक्षा देने ऐसे हाल में ? अपनी और इसकी जान को खतरे में डाल कर ?"

"जेवर बेचकर फीस भरी थी; छूट जाती पढ़ाई तो फिर नहीं कर पाती।"

परीक्षक उसे दो पल को देखती रहीं फिर केंद्र अध्यक्ष के कक्ष की ओर तेज़ कदमों से चली गईं। केंद्र अध्यक्ष ने सुना तो सन्नाटे में आ गए। कोई नरम बिस्तर या आरामदायक खटिया तो नहीं थी लेकिन एक तख्त का इंतजाम कर दिया गया, एक खाली पड़े कक्ष में।

आधे घंटे बाद, अपनी उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, सहायिका और नवजात के साथ सद्य प्रसूता को उस कक्ष में तख्त तक पहुंचा दिया गया।

कोई तकिया नहीं। एक परीक्षक ने अपना पर्स दे दिया है जिसे सिरहाने लगाए, सद्य प्रसूता उत्तर पुस्तिका लिखने में लीन है। बीच-बीच में एग्जाम सेंटर के अन्य परीक्षक आ-आकर उसे देख जा रहे हैं। चार घंटे की डिलीवरी में एक परीक्षार्थी पेपर देने आई है !

बीच में, नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम-अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है। (समाप्त)

लघुकथा

विकास यशकीर्ति

पांचवां बेटा

दौलत राम। तुम्हारे चार चार बेटे होते हुए भी आज ये नौबत आ गई कि तुम्हें अपना पुश्तैनी मकान गिरवी रखना पड़ रहा है।' सेठ हजारी प्रसाद दौलत राम के सामने प्रेनोट रखते हुए बोला। 'और सुना है - परदेस में अच्छा कमा रहे हैं।' चश्मे को नाक की नोंक पर रखकर हज़ारी प्रसाद ने दौलत राम को नंगी आंखों से घूरते हुए अपना व्यंग्य बाण चलाया। 'क्या करें, सेठ जी। सब के अपने अपने खर्चे हैं, अपनी अपनी जिम्मेवारियां हैं।' जग हंसाई से बचने के लिए अपने नालायक बेटों की छोटी-मोटी वकालत दौलतराम खुद ही कर लिया करता था। दौलत राम ने प्रनोट पर साइन करने के लिए जैसे ही पेन उठाया, उसके फोन पर एक मैसेज चमका ' रुपे फाइव लैक्स इन यूअर अकाउंट' दौलत राम फ़ोन में आए इस मैसेज की गहराई को परत दर परत खोलने लगा। तभी एक टेक्स्ट मैसेज और फ्लैश हुआ।

' क्या सिर्फ कहने के लिए बेटा कहते थे, पापा ?'

इस बार दौलतराम ने देखा, मैसेज नेहा बिटिया का था जिसके दो साल पहले उसने हाथ पीले कर दिए थे। दौलतराम हैरानी के साथ फोन को निःशब्द होकर देखता रहा। 'किसका मैसेज है दौलत राम ?' हजारी प्रसाद ने दौलत राम की तंद्रा भंग की। दौलत राम की आंखों में नमी थी। 'कौन है ? ' सेठ फिर चिल्लाया। 'पांचवा बेटा' सिर्फ ये दो शब्द बोलकर दौलतराम कांपता हुआ उठा और प्रनोट वापस हजारीप्रसाद को देकर आंखे पौंछता हुआ बाहर चला गया।

कविता | पं. कमल कांत भारद्वाज

ज़माने की कशमकश

मुझे लगता है ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ
इस कशमकश में कल कोई और था
आने वाले कल में कोई और होगा
ज़माने की कशमकश में
मै अकेला तो नहीं हूँ

जो दिखता है ख़ुश ज़िंदगी में
क्या पता, वो भी परेशान हो ज़िंदगी में
मुझे मेरे ही ग़म लगते हैं ज़्यादा
क्या पता, नहीं दिख रहे
उसके ग़म हो मुझसे भी ज़्यादा

दर-ब-दर भटकता रहा मैं
हर एक कदम पे ख़ुद से लड़ता रहा मैं
एक नई उम्मीद की तलाश में
अपनों से दूर चला गया मैं
ज़माने की इस काशमकश में

जीवन है ही संघर्षों का मेला
सब लगे हैं ज़िंदगी की कशमकश में
आज मैं हूँ, कल तुम
फिर कोई और होगा
ज़माने की इस कशमकश में
मुझे लगता है मैं अकेला तो नहीं हूँ
ज़माने की इस कशमकश में

कविता | प्रज्ञा गांधी

वो लड़की

परियों जैसी है वो लड़की
भोली और शैतान बड़ी
समझदार भी है कितनी
और कितनी नादान भी
उसकी आंखें देखी मैंने
आंखों से बातें करती है
कितनी प्यारी लगती है
जब हिरण सी चलती है
सुनहरी ज़ुल्फें हैं उसकी
प्यारी प्यारी बातें हैं उसकी
कितनी मासूम है वो
और हजारों उसकी शरारतें हैं
छोटी छोटी बातों पर भी
वो खुश हो जाती है
छोटी छोटी बातों पर ही
आंसू भी वो भरती है
पर, सपने हैं उसके बड़े
आसमां में उड़ना चाहती है
स्वाभिमान के लिए
आत्मसम्मान के लिए
और कुछ कर गुजर जाने के लिए
जिद बड़ी है उसकी
बाती बनकर जलने की
रोशनी फैलाने की
परियों जैसी वो लड़की
भोली और शैतान भी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक नीरु मित्तल का मानना है कि आज के आधुनिक युग में भी साहित्य गतिशील है और गद्य हो या पद्य, दोनों विधाओं में ही नवीन शैलियों का विकास हो रहा है। लघुकथा, लघुकविता, नवगीत जैसी विधाएं अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं। छायावाद से आगे हम प्रयोगवाद पर आ गए हैं। साहित्य पर सामाजिक, राजनीतिक चेतनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

साहित्य और समाज एक-दूसरे के बिना अधूरे: डॉ. नीरू मित्तल

साहित्य के क्षेत्र में कविता, गजल, कहानी, व्यंग्य, लघुकथा, लेख निबंध, समीक्षा जैसी विधाओं का मानवीय एवं सामाजिक सरोकार के लिए काफी महत्व है। इन्हीं मूल्यों को लेकर साहित्यकार एवं लेखक साहित्य सृजन करने में जुटे हैं, जिसमें लेखकों का मकसद समाज को नई दिशा और सकारात्मक विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं जुड़े रहने का संदेश देना है। लेखिका एवं साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल अपनी ऐसी ही लेखन विधाओं के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य साधना करती आ रही हैं। अपने साहित्यिक सफर को लेकर डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज और साहित्य एक दूसरे के बिना जीवंत नहीं रह सकते।

वरिष्ठ महिला साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल का जन्म 26 जून 1958 को अजमेर (राजस्थान) में हरिश चन्द्र गुप्ता और दम्यंती देवी गुप्ता के घर में हुआ। परिवार में कोई भी साहित्य माहौल नहीं था लेकिन उन्हें बचपन में ही तुकबंदियां करते हुए कुछ न कुछ लिखने में अभिरुचि हुई। स्कूल में भी वे कविताएं सुनाती और उनकी लिखी कविताएं स्कूल और कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने लगी, तो उनके पिताजी ने बहुत प्रोत्साहित करना शुरु कर दिया। उनके लेखन की शुरुआत कविताओं से हुई, लेकिन वह जल्द ही कहानियां भी लिखने लगी। जब वह कॉलेज में पढ़ रही थी, तो उनकी रचनाएं आकाशवाणी पर प्रसारित होने लगी और पिता अजमेर से रिकार्डिंग के लिए आकाशवाणी केंद्र जयपुर ले जाते थे। बकौल डॉ. नीरू मित्तल, साल 1981 में उनकी जयपुर में बैंक ऑफ बडौदा में नौकरी लग गई। इसके बाद साल 1984 में उनका विवाह हरियाणा के पंचकूला में हुआ। इस वजह से उन्होंने अपना स्थानांतरण पंचकूला की बैंक शाखा में करा लिया और यहीं से वह सेवानिवृत्त हुई। हालांकि शादी के बाद वह अपनी बैंकिंग की नौकरी, परिवार और बच्चों में अत्यधिक व्यस्त हो गई और लेखन बहुत सीमित रह गया। लेकिन इस दौरान भी वह नराकास के कार्यक्रमों में भाग लेती रही और पुरस्कार जीतती रही। बच्चे जब कॉलेज में चले गए और उन्हें कुछ समय मिलने लगा तो साहित्य के प्रति लगाव पुनः जागृत हो गया और उन्होंने हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य सृजन को नई दिशा दी। उनकी रचनाओं का फोकस मुख्य रूप से समाज में व्याप्त विडंबनाओं, कुंठाओं बेबसी, आक्रोश, अनेक विषमताएं और लोगों की जिजीविषा जैसे सामाजिक सरोकार के मुद्दे और समस्याओं पर रहा है, इन्हीं पर उनकी कलम सक्रिय रही, जिसमें नारी विमर्श भी उनके लेखन में स्वतः ही झांकने लगा। बकौल नीरु मित्तल, साहित्य के अलावा उन्हें गायन और नृत्य का भी शौक रहा है। वह अपने हम उम्र साथियों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ भी करती हैं। जहां वे कहानी, लघुकथा, लेख निबंध, कविता, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण, समीक्षा और साक्षात्कार ज जैसी विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटी हैं, वहीं वह योगा शिक्षिका भी रही और सामाजिक गतिविधियों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी किये हैं।

उन्हें देश के वरिष्ठ साहित्यकारों व रचनाकारों का सानिध्य मिला है। उनकी रचनाएं देश ही नहीं विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं। चंडीगढ़ दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र जयपुर से समय-समय पर उनकी कविताओं व रचनाओं का प्रसारण तो हो ही रहा है, वहीं रेडियो 'अपना विनीपेग' कनाडा और 'जस टीवी' कनाडा पर भी उनके साहित्यिक काव्य पाठ कार्यक्रम और साक्षात्कार प्रस्तुत हुए हैं। कई विदेशी मंचों जैसे 'रूट्स टू हिंदी काव्यांजलि' शिकागो, 'निर्मल रोशन मंच' न्यूयॉर्क, 'महिला काव्य मंच' इंडोनेशिया पर भी वे अपनी कविताएं प्रस्तुत कर चुकी हैं। यहाँ वह यह बात अवश्य कहना चाहती हैं कि विदेश में बैठे भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने देश से कहीं गहराई से जुड़े हुए हैं। वह उनकी निष्ठा और समर्पण को नमन करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. नीरू मित्तल की प्रकाशित पुस्तकों में काव्य संग्रह-अनकहे शब्द, शब्दों की परछाइयाँ, चट्टान पर खिले फूल, पंचतत्त्व और मैं, कहानी संग्रह-रिश्तों की डोर, कोहरे से झाँकती धूप, लघुकथा संग्रह-तिनका तिनका मन, प्रतिबिम्बों की अनंत यात्रा, बाल साहित्य-मेरे वर्णमाला गीत, छू लो आसमान प्रमुख रूप से पाठकों के सामने हैं। उन्होंने खुशियाँ लौटेंगी, सुनहरी यादों के झरोखों से नामक पुस्तकों का संपादन भी किया। वहीं पंजाबी रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया है।

डॉ. नीरू मित्तल

पुरस्कार व सम्मान

लेखिका डॉ. नीरू मित्तल को हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान, बाल सहित्य सम्मान, डॉ कैलाश अहलूवालिया स्मृति सम्मान पुरस्कार, डॉ. श्यामसुंदर व्यास स्मृति सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, स्मृति साहित्य सम्मान, संस्कृति संवाहक पुरस्कार, शब्द निष्ठा सम्मान, लघुकथा सेवी सम्मान, साहित्य सारथी सम्मान और मां भारती साहित्य के सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'
जन्मतिथि : 26 जून 1958
जन्म स्थान : अजमेर(राजस्थान)
वर्तमान निवास : पंचकूला (हरियाणा)
शिक्षा : एम. कॉम, सी.ए.आई.आई.बी
संप्रति : बैंकिंग सेवा से निवृत, साहित्यकार, कथाकार, कवयित्री, योग शिक्षिका

सामाजिक उपयोगिता का कविता संग्रह 'मैं पेड़ हूँ'

पुस्तक : मैं पेड़ हूं
लेखिका : अर्चना कोचर
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक, नोएडा

पुस्तक समीक्षा | डॉ. ज्ञानप्रकाश 'पीयूष'

साहित्य लेखन एवं समाज सेवा में संलग्न, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित साहित्यकार अर्चना कोचर किसी परिचय की मोहताज नहीं।

' मैं पेड़ हूँ' लघुकविता-संग्रह इनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक है, जो भाव सौंदर्य एवं शिल्प सौष्ठव की दृष्टि से बहुत प्रभावशाली है। यह पुस्तक विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को आधार बनाकर दस-दस पंक्तियों के मुक्त छंद में सृजित की गई हैं तथा उनके औषधीय गुणों, सामाजिक उपयोगिता एवं पौराणिक उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए प्रांजल भाषा में व्यंजित की गई हैं। रुद्राक्ष, पीपल,कदम्ब, अशोक बरगद, अक्षय वट के साथ चंदन, देवदार, चीड़,नीम, सागवान,पलाश, अमलतास गुलमोहर, शीशम, सफेदा, बबूल, आदि छायादार एवं सहजता से उपलब्ध पेड़ों के महत्व को भी प्रतिपादित किया गया है तथा आँवला, आम अनार,अमरुद, सेब,जामुन, नारियल, अंजीर,सुपारी, जायफल, नींबू, केला, बादाम, अखरोट, काजू ,खुबानी, पिस्ता, चिलगोजा, आलू बुखारा, आदि फलदार वृक्षों पर भी सारगर्भित लघुकविताओं का सृजन किया गया है जो अत्यंत श्लाघनीय है। ये कवयित्री के अद्भुत रचना कौशल, साहस, परिश्रम एवं जुनून को प्रतिपादित करता है। इनके अतिरिक्त मखाना, पान बनारस वाला, आल स्पाइस,केसर, तुलसी,आक, शमी, सप्तपर्णी, लता मंजरी जैसे अनेक पेड़-पौधों को भी कलमबद्ध किया गया है जो कवयित्री की आन्तरिक प्रतिभा,अध्यवसाय, एवं सृजन क्षमता को रेखांकित करती हैं। 'नारियल का पेड़' लघु कविता एक बिम्बात्मक चित्र द्रष्टव्य है- खाने को फल, तंदुरुस्ती के लिए पानी/ दूध-मलाई की, कल्पवृक्ष ने लिखी कहानी/ सुख समृद्धि में, श्री हरि विष्णु, लक्ष्मी का कृपानिधानी/ त्रिदेव के त्रिनयन, श्रीफल की इष्ट अर्पण बानी है/ पवित्र कलश में विराजित/ मंगल कार्यों में श्रीगणेश/ हवन की पूर्णाहुति, नवरात्र, कन्या पूजन में विशेष/ जन्म पूजन में नारियल, कफन में चढ़ता यह विनेश है /नारियल का तेल केश निखार/त्वचा की मसाज है/ ताड़- शराब, कठोर खोल,चारकोल/ इसका अंग-अंग कीमती/ लोगों का इलाज है। इसकी भाषा अत्यंत सरल एवं शैली सरस व सारगर्भित है। यह कृति हर दृष्टि से उपादेय है और अर्चना कोचर की सकारात्मक सोच एवं आशावादी दृष्टिकोण की परिचायक है। उत्कृष्ट कृति के लिए कवयित्री को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

हिसार। कौशिक नगर स्थित ध्यान साधना केंद्र में भाग लेते साधक।

जीवन को नवचेतना देने वाली ध्यान प्रक्रिया संजीवनी ध्यान

हिसार। समर्थगुरू धारा संघ मुरथल के तत्वाधान में समर्थगुरू धारा संघ हिसार ने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में संडे ध्यान का कार्यक्रम किया। यह सेशन आचार्या मां साक्षी ने लिया, जिसमें उन्होंने संजीवनी ध्यान करवाया। आचार्या ने संजीवनी ध्यान करवाते हुए कहा कि संजीवनी ध्यान एक विशेष प्रकार की ध्यान साधना है, जिसका उद्देश्य शरीर, मन और आत्मा में गहराई से ऊर्जाओं को जागृत करना और उन्हें संतुलित करना होता है। "संजीवनी" शब्द का अर्थ ही होता है—जीवन देने वाली या जीवनदायिनी शक्ति। इस ध्यान पद्धति में प्राण को जाग्रत कर रोग, तनाव और मानसिक व्याधियों से राहत पाने का प्रयास किया जाता है। संजीवनी ध्यान का उद्देश्य केवल शांति पाना नहीं है, बल्कि आत्म-उत्थान और गहन ऊर्जा उपचार भी है।

वॉक रेस में अभिमन्यु व रोनक ने मारी बाजी

आदमपुर। गांव सदलपुर स्थित श्री पीपासर सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्र अभिमन्यु व रोनक ने जिला स्तरीय वॉक रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम व द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया। एथलीट कोच महेंद्र शीला ने बताया कि हाल ही में हिसार के महावीर स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस दौरान 20 किलोमीटर वॉक रेस में विद्यालय के छात्र अभिमन्यु ने प्रथम व रोनक ने द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया। महेंद्र शीला ने बताया कि छात्र अभिमन्यु अब पंचकूला में होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगा। विद्यालय संचालक सुभाष गोदारा, सुमन गोदारा, प्राचार्या ललिता शर्मा, रामकुमार सहित स्टाफ सदस्यों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

एसपी ने जारी की विशेष एडवाइजरी

हांसी। बीते दिनों नदी या नहरों में नहाने को लेकर देश-प्रदेश में हुई दुखद घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने संज्ञान लेते हुए विशेष एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने आमजन से बिना सुरक्षा के नहरों में नहीं नहाने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों की दैनिक गतिविधियों पर नजर रखें तथा उन्हें नदियों, नहरों व तालाबों इत्यादि पर नहाने जाने से रोकें ताकि भविष्य में किसी और दुखद घटना की पुनरावृत्ति ना होने पाए। प्रायः देखने मे आया है कि भीषण गर्मी व उमस को देखते हुए कई बार बच्चे एवं युवक इकट्ठे होकर नहर या तालाब में नहाने के लिए चले जाते हैं। गर्मी के मौसम को देखते हुए बच्चों में इस प्रकार का फैशन सा हो गया है। पानी का बहाव तेज होने तथा तैरना नहीं आने की वजह से अक्सर गंभीर परिणाम व दुखदाई घटनाएं हो जाती है।

वार्ड एक में होगा रेगर धर्मशाला का निर्माण: विधायक

46 लाख की लागत से दो बड़ी परियोजनाओं की नींव रख विधायक ने शुरू करवाया कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

विधायक विनोद भयाना ने रविवार को शहर में 46 लाख रुपए लागत की दो बड़ी विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर वार्ड नंबर एक में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए विधायक भ्याना ने कहा कि आज जिन विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है उनमें रेगर समाज के लिए धर्मशाला भवन तथा चार कुतुब के निकट स्थित कब्रिस्तान की चार दिवारी और एक कमरे का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला भवन के निर्माण कार्य पर लगभग 20 लाख तथा कब्रिस्तान की चार दिवारी एवं एक कमरे के निर्माण कार्य पर 26 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। इन दोनों विकास परियोजनाओं पर करीब 46 लाख रुपए खर्च आएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए राज्य सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला भवन निर्माण के लिए अगर और धनराशि की आवश्यकता पड़ी तो वह भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

हांसी। विकास परियोजनाओं के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक विनोद भयाना।

कार्यक्रमों में ये रहे मौजूद: इस अवसर पर पार्षद दुलीचंद, सोनू रेगर, अरुण रेगर, पूर्ण सिंह, वेद प्रकाश, राजेंद्र, शिवकुमार, ओम प्रकाश, राजेश व रवि अरोड़ा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

राज्य सरकार प्रदेश में विकास की झड़ी लगाने को संकल्पित

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। पूरे प्रदेश में पारदर्शी तरीके से बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य हो रहे हैं। आज कोई भी गांव विकास से अछूता नहीं है, हर गांव में किसी न किसी विकास परियोजना पर निर्माण कार्य चल रहा है। विकास की इस गति को देखकर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में विकास की झड़ी लगा लगा दी है। उन्होंने कहा कि हल्के में भी विकास कार्यों की कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी जा रही है। जन भावनाओं के अनुरूप विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। भविष्य में भी विकास के सिलसिले को लगातार जारी रखा जाएगा।

बरवाला। राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने का आह्वान करते किसान नेता।

अखिल भारतीय किसान सभा ढाणी गारण इकाई का सम्मेलन सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

- श्रवण कुमार प्रधान व सुरेंद्र कुमार बने सचिव

अखिल भारतीय किसान सभा इकाई ढाणी गारण गांव का सम्मेलन मास्टर कर्मवीर की अध्यक्षता में हुआ। इस सम्मेलन में किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष सरबत सिंह पूनिया व जिला कमेटी सदस्य रोहतास राजली विशेष रूप से उपस्थित हुए। ढाणी गारण गांव कमेटी चुनाव में श्रवण कुमार को प्रधान, सुरेंद्र कुमार को सचिव, मास्टर कर्मवीर को कोषाध्यक्ष, रोहतास को उप प्रधान, डॉ. महेंद्र सिंह को सह सचिव व अजीत कुमार को सर्वसम्मति से सदस्य चुना गया। जिला उपाध्यक्ष सरबत सिंह पूनिया और रोहतास राजली ने कहा कि 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल होगी। इस हड़ताल में किसान, मजदूर, कर्मचारी, छात्र, नौजवान और काफी संख्या में लोग भाग लेंगे। किसान नेता सरबत सिंह पूनिया ने कहा कि यह हड़ताल सरकार द्वारा किसानों, मजदूरों को गुलाम बनाने के लिए बनाए गए कानूनों के खिलाफ है। हिसार, सिरसा, फतेहाबाद में नहरी पानी दो सप्ताह की बजाय एक सप्ताह करने की तीखी आलोचना करते हुए किसान नेताओं ने पहले की तरह नहरों में दो सप्ताह पानी देने की मांग की, ताकि सिंचाई व पीने का पानी प्रयाप्त मात्रा में उपलब्ध हो सके।

भाविप चन्द्रशेखर आजाद शाखा ने सैक्टर 16-17 के पार्क में किया गया पौधरोपण

- 'अधिक से अधिक पौधे लगाकर हम प्रकृति के प्रति अपने दायित्व को निभा सकते हैं'

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

भारत विकास परिषद चन्द्रशेखर आजाद शाखा, पार्क समिति एवं योगा टीम की ओर से सेक्टर 16-17 के पार्क में पौधारोपण किया गया। यह पौधारोपण कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष रोहतास कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान आंवला, जामुन, अमरूद, कढ़ी पत्ता, नीम, पीपल आदि विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रोहतास कुमार ने कहा कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति के अपने दायित्व को निभा सकते हैं। आज प्राकृतिक संसाधनों का दोहन आत्यधिक मात्रा में हो रहा है जिस कारण हमारा पृथ्वी का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है और यह निरंतर बढ़ रहा है जिससे हमें अनेक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाकर प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के प्रयास करने होंगे। सभी को इसमें अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने पौधारोपण में पहुंचे सभी लोगों का आभार जताया। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही शाखा द्वारा अन्य पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे और शाखा का प्रयास है कि इस सीजन में जितने अधिक हो सकें पौधे लगाए जाएंगे।

हिसार। सेक्टर 16-17 के पार्क में पौधरोपण करते शाखा व पार्क समिति के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

विश्व ज़ूनोसिस दिवस पर लुवास ने किया विशेष कार्यक्रमों का आयोजन

- कॉलेज सेंट्रल लैब एवं पशु जनस्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग ने किए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. नरेश जिंदल के मार्गदर्शन में कॉलेज सेंट्रल लैब एवं पशु जनस्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग की ओर से नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वाइन्स के सहयोग से जूनोटिक रोग सेंटिनल सर्विलांस परियोजना, एनसीडीसी, नई दिल्ली के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रो. (डॉ.) नरेश जिंदल ने कहा कि जूनोटिक रोगों की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए मानव, पशु और पर्यावरण स्वास्थ्य को एकीकृत रूप में देखना आवश्यक है। 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण ही वर्तमान समय की आवश्यकता है, जिससे न केवल रोगों की जल्दी पहचान संभव है, बल्कि उनका प्रभावी नियंत्रण भी किया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. गुलशन नारंग, डीन, कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज ने बताया कि आज के समय में पर्यावरणीय असंतुलन, पशु मानव संपर्क में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन और जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास में हस्तक्षेप के चलते इन रोगों का खतरा बढ़ गया है। पशु जनस्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश खुराना ने बताया कि हर साल 6 जुलाई को विश्व जूनोसिस दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उस ऐतिहासिक दिन की याद में मनाया जाता है। इस दिन महान वैज्ञानिक लुई पाश्चर ने रेबीज के खिलाफ पहली सफल वैक्सीन का प्रयोग किया था। यह उपलब्धि जूनोटिक रोगों के नियंत्रण की दिशा में मील का पत्थर मानी जाती है। डॉ. राजेश छाबड़ा, कॉलेज सेंट्रल लैब, प्रभारी एवं मुख्य अन्वेषक जूनोटिक रोग सेंटिनल सर्विलांस परियोजना एनसीडीसी, नई दिल्ली ने कहा कि सेंटिनल सर्विलांस, रोगों की प्रारंभिक पहचान के लिए एक प्रभावी माध्यम है, जिससे न केवल संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है, बल्कि इससे जुड़े जोखिम कारकों को भी पहचाना जा सकता है।

हिसार। जूनोसिस दिवस कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी एवं लुवास के अधिकारी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लुवास विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों डॉ. विजय जाधव, डॉ. महावीर सिंह और डॉ. मनेष ने जूनोटिक रोग जैसे रेबीज, बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, ब्रूसेलोसिस, एंथ्रेक्स और लीशमैनियासिस जैसी बीमारियां के बारे में जागरूक किया।

हांसी। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते विधायक विनोद भ्याना। फोटो: हरिभूमि

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विधायक ने दी श्रद्धांजलि

हांसी। दयाल सिंह कॉलोनी स्थित स्वर्ग आश्रम परिसर में महान राष्ट्रभक्त, शिक्षाविद् एवं जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक विनोद भयाना ने शिरकत की और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधायक भयाना ने स्वर्ग आश्रम परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर त्रिवेणी (पीपल, बरगद, नीम) का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक विनोद भ्याना ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका बलिदान देश की एकता और अखंडता के लिए था जिसे इतिहास कभी भुला नहीं सकता। विधायक ने कहा कि आज रोपित किए गए त्रिवेणी पौधे अब आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण और संस्कारों का प्रतीक स्वरूप प्रेरणा देते रहेंगे। इस अवसर पर नगर परिषद हांसी प्रधान प्रवीण इलाहाबादी, रमेश भूटानी, मदन पाहवा, गोल्डी सैनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष तनुज खुराना, रवि अरोड़ा, दीपक सुलतानपुर सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

भाजपा विधायक विनोद के साथ सरकारी कार्यक्रम में मंच पर बैठा दुष्कर्म का आरोपी

- विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने मामनपुरा गांव पहुंचे थे विधायक
- सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने जारी की हैं तस्वीरें

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

भाजपा विधायक विनोद भयाना की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें विधायक विनोद भ्याना दुष्कर्म के आरोपी के साथ मंच सांझा करते दिखाई दे रहे हैं। मामनपुरा गांव में शनिवार को आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान वे विधायक विनोद भ्याना एक ऐसे व्यक्ति के साथ मंच साझा करते नजर आए जिस पर महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। बता दें कि कार्यक्रम के दौरान विधायक भयाना ने मामनपुरा गांव में 11 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने पहुंचे थे। मंच पर मौजूद एक अन्य भाजपा नेता जगदीश भाटिया को हाथ में रुमाल लिए हुए कैमरे में कैद किया गया। गौरतलब है कि जगदीश भाटिया और विधायक विनोद भयाना के भाई महेन्द्र भयाना के खिलाफ एक महिला ने रेप के आरोप लगाए थे। चौंकाने वाली बात यह रही की दुष्कर्म के आरोपी जगदीश भाटिया की विधायक विनोद भ्याना संग यह तस्वीरें खुद हांसी के सूचना एवं जन संपर्क विभाग द्वारा जारी की गई हैं।

जानें क्या है मामला: हांसी की एक कालोनी में रहने वाली एक महिला ने पिछले दिनों विधायक विनोद भयाना के भाई महेंद्र भयाना और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगदीश भाटिया पर 2019 के विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पूर्व मिठाई लेने के बहाने दुकान में बुलाकर जबरदस्ती दुष्कर्म करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे।

हांसी। मामनपुरा गांव में कार्यक्रम के दौरान मंच पर विधायक विनोद भ्याना के समीप बैठा दुष्कर्म का आरोपी जगदीश भाटिया (लाल घेरे में)। फोटो: हरिभूमि

हिसार। अमरनाथ भंडारे में भजनों पर झूमते श्रद्धालु व भोजन लेते हुए अमरनाथ यात्री।

अमरनाथ यात्रियों के लिए लगाए भंडारे में रोज आ रहे हजारों यात्री

हिसार। शिव सेवक मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमरनाथ बाबा का 14वां विशाल भंडारा पंथा चौक, श्रीनगर जम्मू कश्मीर में शुरु कर दिया गया है। तीन जुलाई से चल रहे भंडारे पर रोजाना दो से ढाई हजार श्रद्धालु भोजन ग्रहण कर रहे हैं। याद रहे 25 जून को पंजाबी भवन, सेक्टर 14 से खाद्य सामग्री से भरे तीन ट्रकों सहित चार वाहनों को अमरनाथ के लिए रवाना किया गया था। हिसार से अमरनाथ भंडारे में सेवा करने के लिए गए लगभग दो दर्जन सेवादार ड्यूटी दे रहे हैं। मंडल के सरपरस्त व वयोवृद्ध समाजसेवी रामबख्श असीजा व मंडल के प्रधान डॉ. महिपाल मुंजाल ने बताया कि भंडारे में विभिन्न तरह की सब्जियां, स्नेक्स, चाय, दूध, पानी, मिष्ठान के अलावा यात्रियों के आराम करने की पूरी सुविधा तथा चिकित्सा सेवा भी की जा रही है। सेवादार जगदीश रहेजा ने बताया कि भंडारे में रोजाना शुद्ध सात्विक तथा विभिन्न तरह के पकवान यात्रियों की सेवा में परोसे जा रहे हैं। दिन भर डीजे पर चलते शिव भजनों पर पुरुष हो या महिला, खूब झूम-झूम कर बाबा शिव के जयकारे लगा रहे हैं। तीन दिनों में 35 हजार से अधिक श्रद्धालु बाबा अमरनाथ बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण तरीके से शिव भगत शिव बाबा के दर्शन करने के लिए देश भर के विभिन्न प्रांतों से पहुंच रहे हैं। इनमें भारी संख्या में साधु-संत भी शामिल हैं। मंडल के सेवादार जगदीश रहेजा ने बताया कि भंडारे में अमरनाथ यात्रियों के लिए 24 घंटे चलने वाला यह भंडारा 9 अगस्त तक चलेगा।

साधकों ने ध्यान करते हुए समझा प्रभु स्मरण का महत्व

प्रभु स्मरण पर आधारित ध्यान सत्र आयोजित

- प्रभु स्मरण से मनुष्य अहंकार से मुक्त होकर प्रेम, करुणा व शांति की ओर होता अग्रसर : स्वामी संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ओशो ध्यान उपवन में प्रभु स्मरण पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने हिस्सा लिया और ध्यान के विविध आयामों से रूबरू हुए। इस अवसर पर साधकों को प्रभु स्मरण का महत्व भी समझाया गया। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने कहा कि प्रभु स्मरण से तात्पर्य हर पल जागरूक और सजग रहने से है। इंसान को अपने विचारों, भावनाओं और अन्य कार्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। जागरूकता ऐसी होनी चाहिए कि अपने बाहर और अपने भीतर हो रही चीजों को देखा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रभु का स्मरण साधक को अपने भीतर की ओर ले जाता है। अपने भीतर गहरे उतरते हुए अलग ही अनुभूति होती है। प्रभु स्मरण मनुष्य को अहंकार से मुक्त करके प्रेम, करुणा और शांति की ओर अग्रसर करता है। स्वामी संजय ने बताया कि सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में नियमित रूप से ध्यान सत्र व ध्यान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसके साथ ही विभिन्न उत्सव, त्योहार व विशेष दिवस भी धूमधाम से मनाए जाते हैं। इसी कड़ी में 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक एक दिवसीय मेडिटेशन कैंप का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को जहां साधकों को गुरु के महत्व से रूबरू करवाया जाएगा, वहीं मेडिटेशन कैंप में ध्यान की विधियां सिखाकर उनका अभ्यास भी करवाया जाएगा।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

प्रभु स्मरण एक शक्तिशाली साधना

रविवार को आयोजित किए गए प्रभु स्मरण पर आधारित ध्यान सत्र में साधकों को सतगुरु ओशो के संचित प्रवचन भी सुनने को मिले। ओशो ने समझाया है कि प्रभु स्मरण का अर्थ यह नहीं है कि साधक सांसारिक जीवन को त्याग दें। साधकों को सांसारिक जीवन जीते हुए प्रभु स्मरण करना चाहिए। उन्होंने समझाया है कि आप अपने काम में, अपने रिश्तों में और अपने जीवन के हर पहलू में प्रभु को शामिल कर सकते हैं। ओशो के अनुसार प्रभु स्मरण एक शक्तिशाली साधना है जो साधकों को अपने भीतर की ओर ले जाती है और पूर्ण व प्रेममय जीवन जीने में मदद करती है।

जरूरतमंद कन्याओं की शादी करना सबसे बड़ा धर्म, देवी-देवता भी होते प्रसन्न : बजरंग गर्ग

- सामूहिक युवक-युवतियों की शादियों से एक ही मंच पर शादी होने से लगता फिजूल खर्च पर अंकुश

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

कनुप्रिया फाऊंडेशन ट्रस्ट ने न्यूटीले ग्रुप आफ कम्पनी के सहयोग से गौशाला रावलवास में पांच जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन किया। इमें जरूरतमंद कन्याओं को एक लाख रुपए का घरेलू समान साथ में दिया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जरूरतमंद कन्याओं की शादी करना सबसे बड़ा धर्म है, जिससे देवी-देवता प्रसन्न होते है। उन्होंने कहा कि आज की महंगाई में गरीब व्यक्ति अपने बच्चों की शादी का खर्च उठाने में असमर्थ है। सामूहिक युवक-युवतियों की शादियों से एक ही मंच पर शादी होने से फिजूल खर्च पर अंकुश लगता है और जरूरतमंद युवक-युवतियों की अच्छे ढंग से हिन्दू रीति-रिवाज से शादियां हो जाती है। सामूहिक विवाह होने के कारण युवक-युवतियों के परिवार की चिन्ता कम हो जाती है कि बच्चे बड़े होने से उनकी शादी कैसे होगी। उन्होंने जनता से अपील की है कि संस्थाएं आपकी है जहां भी जरूरतमंद कन्याओं की शादी होती है वहां पर अपने बच्चों की शादी की रजिस्ट्रेशन करवाएं ताकि बच्चों की समय पर अच्छे ढंग से शादी हो सकें।

हिसार। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग कन्याओं को आशीर्वाद देते हुए। फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

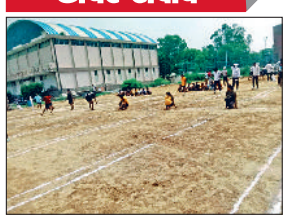

शाहपुर की आर्यन बैनीवाल ने लंबी कूद में जीता गोल्ड

हिसार। महावीर स्टेडियम में आयोजित जिलास्तरीय खे महाकुंभ के एथलेटिक्स के मुकाबले यहां हुए। इन खेलों की लंबी कूद प्रतियोगिता में शाहपुर गांव की आर्यन बैनीवाल ने गोल्ड मैडल जीता। उन्होंने 4.55 मी. लम्बीर छलांग लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। इनके अलावा खो-खो के ट्रायल में भी आर्यन बैनीवाल तथा किरण गैदर को अन्तिम 20 खिलाड़ियों में चुन लिया गया। ये दोनों खिलाड़ी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। सामाजिक कार्यकर्ता रणधीर सिंह बैनीवाल ने बताया कि ये दोनों खिलाड़ी कई वर्षों से शाहपुर के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रही है। स्कूल पहुंचने पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर की प्राचार्या डॉ आदर्श चैधरी तथा स्टाफ सदस्यों ने खिलाड़ियों को शुभकामना दी।

अवैध पिस्तौल सहित युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। जिले में अपराध और अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ, फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एवीटी प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि सहायक उप-निरीक्षक सुखबिंद्र सिंह को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में अशोक नगर, फतेहाबाद क्षेत्र में मौजूद है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एवीटी टीम ने तत्परता दिखाते हुए अशोक नगर क्षेत्र में नाकाबंदी की। इस दौरान एक संदिग्ध युवक हिमांशु को रोककर नियमों के अनुरूप तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध 315 बोर पिस्तौल बरामद की गई।

स्कूल में बच्चों को सिखाए शतरंज के दांव-पेंच

चोपटा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथुसरी चोपटा में शतरंज प्रतियोगिता आनंदपूर्ण गतिविधि के रूप में बनाया गया। कुलदीप दलाल प्रवक्ता इतिहास, जगबीर सिंह पीटीआई, परवेज हसन प्रवक्ता रसायन शास्त्र, प्रदीप कुमार प्रवक्ता संस्कृत, मनोज राघव प्रवक्ता वाणिज्य, सीताराम प्रवक्ता जीवविज्ञान, राजेश कुमार गणित अध्यापक, विरेंद्र कुमार प्रवक्ता समाजशास्त्र, मोनिका प्रशिक्षु अध्यापिका ने बच्चों को प्रेरित किया। दलबीर शर्मा प्रवक्ता हिंदी ने बच्चों को शतरंज नियमावली से अवगत करवाया। उन्होंने बच्चों को बताया कि शतरंज एक दो-खिलाड़ियों का दिमागी खेल है, जो 64 वर्गों वाले बोर्ड पर खेला जाता है। हर खिलाड़ी के पास 16 मोहरे होते हैं, जिनमें एक राजा, एक वजीर, दो हाथी, दो घोड़े, दो ऊंट और आठ प्यादे शामिल होते हैं।

अवैध गर्भपात किट बेचने की शिकायत पर टीम ने की कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने अस्पताल और मेडिकल स्टोरों पर की छापेमारी

मिली खामियों को लेकर मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस जारी किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी उपमंडल में गिरते हुए लिंगानुपात को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है।

इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग और ड्रग कंट्रोल विभाग की संयुक्त टीम ने ड्रग कंट्रोलर इंस्पेक्टर डॉ. अजय कुमार के नेतृत्व में रविवार को शहर के विभिन्न प्राइवेट अस्पतालों ड्रग कंट्रोलर इंस्पेक्टर डॉ. अजय ने बताया कि यह कार्रवाई क्षेत्र में अवैध रूप से एमटीपी किट (गर्भपात किट) की बिक्री की शिकायतों के आधार पर की गई थी। हालांकि मौके पर किसी भी मेडिकल स्टोर से एमटीपी किट बरामद नहीं हुई, लेकिन जांच के दौरान कुछ खामियां जरूर पाई गईं।

हांसी। मेडिकल स्टोर पर जांच करते डॉ. अजय कुमार व स्वास्थ्य विभाग की टीम। फोटो : हरिभूमि

इन खामियों को लेकर संबंधित मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस जारी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर में मेडिकल स्टोर व अस्पताल में छापेमारी की सूचना मिलने पर मेडिकल स्टोर संचालकों और प्राइवेट अस्पताल मालिकों में हड़कंप मच गया। और कई मेडिकल स्टोर संचालक अपनी दुकान बंद कर अपने घर चले गए। छापेमारी इस दौरान स्वास्थ विभाग की टीम ने बस स्टैंड के पास मेडिकल स्टोर पर एमटीपी किट की छानबीन की।

हालांकि विभाग को वहां से एमटीपी किट या अवैध दवाईयां बरामद नहीं हुई।

बिना पर्ची न बेचें दवाई : ड्रग कंट्रोलर

इस अवसर पर ड्रग कंट्रोलर डॉ. अजय ने बताया कि जांच के दौरान सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि बिना वैध पर्ची के गर्भपात से संबंधित दवाएं न बेची जाएं। साथ ही आमजन को भी जागरूक रहने और किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना प्रशासन को देने की अपील की गई।

ये अधिकारी रहे मौजूद

इस छापेमारी अभियान में स्वास्थ्य विभाग सदस्य व ड्रग कंट्रोल विभाग से डॉ. राजबाला समेत अन्य सदस्य भी शामिल रहे। डॉ. अजय कुमार ने बताया कि ऐसे निरीक्षण आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों पर अंकुश लगाया जा सके और लिंगानुपात में संतुलन बनाए रखा जा सके।

हांसी। वन दिवस महोत्सव पर पौधारोपण करते संगठन सदस्य।

शहीद भगत सिंह संगठन ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

शहीद भगत सिंह संगठन समिति के प्रधान सरदार कृष्ण इलावादी की अध्यक्षता में शहीद भगत सिंह पार्क व शहीद मदन लाल ढींगरा पार्क में वन महोत्सव दिवस पर बढते प्रदूषण के मध्येनजर रखकर फलदार, छायादार व फूलों के पौधे लगाये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विरेन्द्र तनेजा थे।

इस दौरान वीरेंद्र तनेजा ने कहा कि पौधे हमारे जीवन का कल है। पौधो के कारण ही हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है। अगर पौधे ना हो तो मानव जीवन की कल्पना ही नही की जा सकती। पौधा कितनी भी छोटा हो और कितना भी बड़ा हो वह अपना कार्य अपनी क्षमता के अनुसार करता है। इसलिए हर आदमी को अपने जीवन में कम से कम दो पौधे अवश्य लगाने चाहिए।

इस अवसर पर महिला प्रधान शमां मल्होत्रा, हंसराज खेत्रपाल, फतेह सिंह गुर्जर, डा. सुदर्शन सचदेवा, हमेश खुराना, डॉ. ठकराल, केशु राम, जगत सिंह, सन्नी नायक, किशोरी नागपाल, हरबंस लाल नागपाल, मलकियत सिंह, मीडिया प्रभारी अनमोल सिंह आदि उपस्थित थे।

सीलिंग प्लान के दौरान हांसी पुलिस ने 415 वाहनों को चैक कर 36 का किया चालान

■ जिले के आम नागरिकों को सुरक्षा मुहैया कराना ही उद्देश्य : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

पुलिस की ओर से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शाम 7 से रात 10 बजे तक सीलिंग प्लान के तहत 15 स्थानों पर नाकाबंदी करके वाहनों की जांच की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने नाकों का दौरा कर वहां तैनात पुलिस कर्मियों को हर संदिग्ध वाहन की बारीकी से जांच करने तथा किसी प्रकार की कोई कमी पाई जाती हैं तो कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षे ने कहा कि जांच में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीलिंग प्लान किसी भी आपात स्थिति से निपटने व अपराध को अंजाम देकर भागने वाले अपराधियों को पकड़ने व अपराधों की रोकथाम के लिए तुरंत कार्रवाई के लिए जिला पुलिस द्वारा किया जाता है। सीलिंग प्लान के दौरान नाकाबंदी करके 415 वाहनों को चेक किया गया तथा तीन वाहन चालकों के ड्रिंक एंड ड्राइव सहित यातायात के नियमों के उल्लंघन करने वाले कुल 36 वाहनों के चालान किए गए। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया कि सीलिंग प्लान का उद्देश्य जिला के आम नागरिकों को सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम व किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चलाया गया है। पुलिस की उपस्थिति से आम आदमी के मन में पुलिस व कानून के प्रति विश्वास बढ़ता है और सड़क पर होने वाला अपराध भी रुकता है। सीलिंग प्लान के अन्तर्गत सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, प्रबंधक थाना, पुलिस चौकी व अपराध यूनिट्स के इंचार्जों को निर्देश दिए हैं कि वह भविष्य में सूचना मिलते ही अपने-अपने क्षेत्र में तुरंत प्रभाव से कार्यवाही करते हुए सीलिंग प्लान के अनुसार कार्य करें। जिससे अपराधों की रोकथाम के साथ साथ अपराधियों को गिरफ्तार कर किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

हांसी। सीलिंग प्लान के दौरान वाहनों की जांच करते पुलिस अधिकारी

रग्बी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए एसोसिएशन की बैठक में किया मंथन

■ जिला स्तर पर कोचिंग कोर्सेस आयोजित किए जाएंगे : मोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार रग्बी एसोसिएशन की बैठक रेलवे रोड स्थित एक हॉल में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में पानीपत से आए डॉ. नरेंद्र मोर ने विशेष रूप से शिरकत की जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रवीण उड़ान ने की। हिसार रग्बी एसोसिएशन के चेयरमैन मास्टर विजेंद्र सिंह पंघाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संघ के सचिव राजू कनोह और कोषाध्यक्ष नीरज वर्मा ने बताया कि हिसार के खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। डॉ. नरेंद्र मोर ने रग्बी खेल के विकास और उसकी तकनीकी जानकारी पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि आने वाले समय में इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन की ओर से जिला स्तर पर कोचिंग कोर्सेस आयोजित किए जाएंगे। इन कोर्सेस के माध्यम से कोच खिलाड़ियों को रग्बी की बारीकियां सिखा सकेंगे, जिससे खेल को नई दिशा मिलेगी।

हिसार। हिसार रग्बी एसोसिएशन की बैठक में डॉ. नरेंद्र मोर का अभिनंदन करते हुए एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संघ के उप प्रधान सुनील गुराणा, वरिष्ठ सह सचिव मनिक जागलान, सह सचिव त्रिलोक न्याणा, संदीप सोनी, कोच अमरजीत बूरा, एडवोकेट मुकेश, अमित मलिक, कुलदीप और विक्रम समेत अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को जानकारी देतीं अध्यक्ष मंजू गोदारा।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर लाडवी में 'सहकार से समृद्धि' के तहत हुआ कार्यक्रम

हिसार। दी किसान भारती सहकारी बहुउद्देशीय समिति लि. लाडवी की ओर से समिति कार्यालय में 103वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के उपलक्ष्य में ग्रामीण महिला के आर्थिक विकास के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन 'सहकार से समृद्धि' संकल्प के अंतर्गत किया गया, जो भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री मंजू गोदारा अध्यक्ष, सह-प्रबंध निदेशक ने की। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, जो सहकारी आंदोलन के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सहकारी क्षेत्र में आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि महिलाएं मिनी डेयरी, मधुमक्खी पालन, सिलाई-कढ़ाई, मसाला प्रसंस्करण इकाइयों तथा कच्ची घानी तेल मिलों जैसे क्षेत्रों में सहकारी समितियों के माध्यम से स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे सोसाइटी की सदस्यता ग्रहण करें, नई सहकारी समितियां, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), एवं संयुक्त दायित्व समूह (जेएलजी) का गठन करें और देश की जीडीपी वृद्धि एवं ग्रामीण महिला सशक्तिकरण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

श्रम मंत्री ने जांच के नाम पर रोकी सुविधा राशि, मजदूरों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा की बैठक यहां हुई, जिसमें प्रदेश के श्रम मंत्री द्वारा जंच के नाम पर मजदूरों की वास्तविक राशि रोकने का आरोप लगाते हुए रोष जताया गया। बैठक में यूनियन के जिला प्रधान वेदप्रकाश, तहसील सचिव राकेश गंगवा, राज्य प्रधान मनोज कुमार ने निर्माण मजदूरों को संबोधित किया।

यूनियन नेताओं ने मुकलान, आर्यनगर, गंगवा, न्यू मॉडल टाउन आदि गावों में निर्माण मजदूरों की सभाएं भी की। सभाओं को सम्बोधित करते हुए यूनियन नेताओं ने कहा कि मौजूदा सरकार में श्रम कल्याण बोर्ड में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है जिसका खामियाजा निर्माण मजदूरों को भुगतना पड़ रहा है। पिछले तीन महीनों से निर्माण मजदूरों को सुविधा का एक पैसा भी नहीं मिला है। जांच के नाम पर डीबीटी पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। भ्रष्टाचार की मार भ्रष्टाचारियों पर ना होकर सीधा मजदूरों पर पड़ रही है। सरकार ने अपने 11 साल के राज में श्रम कल्याण बोर्ड को दलाली का अड्डा बना दिया है। पंजीकरण करने से लेकर सुविधा राशि जारी करने तक अधिकारियो व बोर्ड के दलालों का कमीशन तय है। प्रदेश सरकार ने ट्रेड यूनियनों को कल्याण बोर्ड से बाहर करके मजदूरों के अधिकारों पर हमला किया गया है।यूनियन भवन निर्माण कामगार यूनियन पिछले तीन वर्ष से भ्रष्टाचार पर आवाज उठा रही है।

हिसार। मजदूरों की सभाओं में मौजूद यूनियन नेता व मजदूर। फोटो : हरिभूमि

हिसार। मुनिश्री रणजीत व कौशलकुमार के सानिध्य में शपथ ग्रहण करते हुए।

तेरापंथ भवन में अणुव्रत समिति हिसार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

हिसार। अणुव्रत समिति हिसार का शपथग्रहण समारोह तेरापंथ भवन कटला रामलीला में महातपस्वी युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री रणजीत व मुनिश्री कौशल कुमार के सानिध्य में आयोजित किया गया। समिति अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल व अन्य पदाधिकारियों ने मुनिश्री रणजीत व मुनिश्री कौशलकुमार के सानिध्य में पद व गोपनीयता की शपथ ली और अणुव्रत के नियमों पर चलते हुए अणुव्रत को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुनिश्री रणजीत ने अपने संबोधन में कहा कि सफल कार्यकर्ता सभी को अपने साथ लेकर चलता है। वह पृथ्वी जैसा सहनशील, अग्नि जैसा तेजस्वी, जल जैसा पवित्र और वायु जैसा शीतल होता है। उसमें रचनात्मक चिंतन कार्य हो, निष्ठा हो, गुरु धर्म के प्रति निष्ठा होनी चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि अणुव्रत का उद्देश्य राष्ट्रीय चरित्र का उत्थान करना है। अणुव्रत आचार संहिता को अपने व्यवहार में ग्रहण करें। सच्ची श्रद्धा समर्पित करते हुए अणुव्रत के लिए उदाहरण प्रस्तुत करें। आचार्य मुनिश्री ने कहा कि अणुव्रत का लक्ष्य है जाति, संप्रदाय, लिंग, वर्ग, भाषा और प्रांतक भेदों को मिटाकर मानव मात्र में मानवता की भावना पैदा करना है।

विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र का किया अवलोकन

नक्षत्र मेडिटेशन से मनुष्य के जीवन में आती है सकारात्मकता, आनंद और सफलता : पं. भांभी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ज्योतिष जगत की प्रसिद्ध एवं जानीमानी हस्ती, विख्यात ज्योतिषी, नक्षत्र मेडिटेशन के विशेषज्ञ पं. अजय भांभी रविवार को श्री सिद्ध महामृत्युंजय पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी सहजानंद से मिलने मैयड़ स्थित आश्रम पहुंचे जहां उन्होंने मैयड़ स्थित विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र का अवलोकन किया।

आश्रम में पहुंचने पर स्वामी सहजानंद ने उनका तिलक लगाकर व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर उनके साथ दिल्ली से कविता चैतन्य एस्ट्रोलॉजर और अमरजीत सिंह भी आश्रम पहुंचे जिनका सेलेब्रिटी एवं विश्व के सबसे युवा एस्ट्रोलॉजर प्रद्युमन सुरी तथा आचार्य कार्तिकेय व कीर्ति शर्मा ने स्वागत किया। डॉ. अजय भांबी ज्योतिष के क्षेत्र में एक बड़ा नाम हैं, जिन्हें ज्योतिष के क्षेत्र में उच्च सम्मान प्राप्त है और वे अपने गहन ज्ञान और सटीक भविष्यवाणियों के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। आज वे अपने क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम हैं। वे नक्षत्र ध्यान के विशेषज्ञ और 'हिमालयी परंपरा' के महान चिकित्सक हैं। वे पिछले 40 वर्षों से ज्योतिष के क्षेत्र में हैं उन्हें इसकी महारत हासिल है और इसके व्यावहारिक पहलू की गहरी समझ और ज्ञान है। उनसे अनेक बड़े राजनेता, अभिनेता, खिलाड़ी और विभिन्न क्षेत्रों की अन्य मशहूर हस्तियों सलाह लेती हैं। डॉ. अजय भांभी मैयड़ स्थित विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र को देख कर अभिभूत हुए और कहा कि यह यंत्र जन-जन की आस्था का केंद्र बनेगा और यंत्र पूरे विश्व में सकारात्मकता फैला रहा है।

हिसार। मैयड़ स्थित विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र का अवलोकन करते विख्यात जयोतिषि डॉ. अजय भांभी, कविता चैतन्य एस्ट्रोलॉजर व अमरजीत सिंह।

पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया

स्वामी सहजानंद ने डॉ. अजय भांभी को 'नक्षत्र मेडिटेशन' को सभी ज्योतिषियों व पूरे विश्व में पहुंचाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि देश के सभी ज्योतिषाचार्यों को भी इस विशिष्ट नक्षत्र ध्यान की जानकारी होना जरूरी है ताकि वे अपने पास समस्याओं का हल करवाने के लिए पहुंचने वाले लोगों को नक्षत्र मेडिटेशन के बारे में बता सकें। स्वामी सहजानंद ने डॉ. अजय भांभी, कविता चैतन्य एस्ट्रोलॉजर और अमरजीत सिंह का आश्रम में पहुंचने पर स्वागत व धन्यवाद व्यक्त किया।